स्कूलों में जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने पर हुआ विमर्श

2 दिनों तक कार्यशाला में उद्यमिता पर भी होगी बात

- सीआइएमपी में 'नवाचार और उद्यमिता' पर हुई कार्यशाला
- बिहार के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी हो रहे शामिल

सीआइएमपी में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक व अन्य। • सौः संस्थान

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में गुरुवार को नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता (आइडीई) पर दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हुई। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और शिक्षा मंत्रालय का नवाचार प्रकोष्ठ संयुक्त रूप से जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) और डाइट सदस्यों के लिए आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि पीएमश्री स्कूल्स बिहार के नोडल अधिकारी सुनील कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना है। यह कार्यशाला विशेष रूप से स्कूली शिक्षा में नवाचार पर केंद्रित है।

संस्थान के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि उद्यमशीलता की भावना विकसित करने के लिए आवश्यक उपकरणों और कौशल से शिक्षकों को सशक्त बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। कुमोद कुमार ने कहा कि कार्यशाला का दूरगामी परिणाम यह होगा कि अब बिहार के सभी जिलों के स्कूलों में जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। वाधवानी फाउंडेशन की उद्योग विशेषज्ञ गौरी गोपीनाथ ने तकनीकी सत्र की मेजबानी की। उन्होंने प्रतिभागियों के बीच रचनात्मकता और व्यावहारिक शिक्षा को प्रेरित करने के लिए डिजाइन किए गए इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का संचालन किया।

सत्र की शुरुआत 'स्कूलों में नवाचार और उद्यमिता क्यों?' विषय पर एक विचारोत्तेजक चर्चा के साथ हुई, जिसमें पारंपरिक सीमाओं से परे सोचने के लिए युवा दिमागों को पोषित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद नवाचार और समस्या समाधान के लिए 'मानव केंद्रित दृष्टिकोण' पर एक आकर्षक सत्र हुआ, जहां वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजाइन थिंकिंग सिद्धांतों को शक्तिशाली उपकरण के रूप में पेश किया गया। प्रतिभागियों ने केस स्टडी और समूह कार्य के माध्यम से डिजाइन थिंकिंग को गहराई से समझा। इस दौरान माहौल उत्साहजनक रहा।

Dainik Jagran ! Page No - 19 ! Date - 21-11-2025 !

सीआईएमपी में 'नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता' पर कार्यशाला का शुभारंभ

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) में नवाचार, डिज़ाइन और उद्यमिता

(आईडीई) पर दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हुई। शिक्षा मंत्रालय, एआईसीटीई और मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में बिहार के सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी (ष्ठश्वह्र) और डाइट (ष्ठढ्ढश्वञ्ज) सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ श्री कुमोद कुमार, एआईसीटीई-एमआईसी के क्षेत्रीय समन्वयक श्री विभम व्यास सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सुनील कुमार, नोडल अधिकारी, पीएम श्री स्कूल्स, बिहार ने स्कूली शिक्षा में नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण शिक्षकों को रचनात्मकता, डिज़ाइन थिंकिंग और उद्यमिता कौशल से सशक्त बनाएगा। स्वागत भाषण में निदेशक प्रो. सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला बिहार में शिक्षा प्रणाली को नवाचारी दिशा देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यशाला के तकनीकी सत्र का संचालन वाधवानी फाउंडेशन की उद्योग विशेषज्ञ सुश्री गौरी गोपीनाथ ने किया। प्रतिभागियों ने मानव केंद्रित डिज़ाइन, समस्या समाधान और नवाचार आधारित शिक्षा से जुड़े व्यावहारिक अभ्यासों में भाग लिया। कल दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीटीई के उपाध्यक्ष और मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ. अभय जेरे शामिल होंगे।

Aaj ! Page No - 05 ! Date - 21-11-2025 !

सीआईएमपी : इनोवेशन, डिजाइन पर कार्यशाला

पटना| चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) में बुधवार से नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता पर दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला शुरू हुई। कार्यक्रम स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (शिक्षा मंत्रालय), एआईसीटीई और शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ के सहयोग से किया जा रहा है। इसमें बिहार के सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी और डाइट सदस्यों ने भाग लिया। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं शिक्षा अधिकारियों के नवाचार कौशल को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

Dainik Bhaskar !
Page No - 06 !
Date - 21-11-2025 !